

**MASTER OF ARTS
(POLITICAL SCIENCE)**

**Term-End Examination
June, 2010**

**MPSE-006 : PEACE AND CONFLICT
STUDIES**

Time : 2 hours

Maximum Marks : 50

Note : Attempt five questions in all, selecting at least two from each section. Each question is to be answered in about 500 words. All questions carry equal marks, 10 each.

SECTION - I

1. Examine the main features of the Political Economy Approach to Peace.
2. Explain the Doctrine of Just war.
3. Examine the System-Level analysis of the causes of war.
4. Describe the powers and functions of the Security Council as an organ for settlement of disputes.
5. What is meant by Observer Groups ? How do they differ from peace keeping forces ?

SECTION - II

6. Evaluate the Confidence Building Measures initiated between India and Pakistan.
 7. Write an essay on the Judicial Methods of Conflict Resolution.
 8. Discuss the differences between functionalism and neo-functionalism.
 9. Examine Gandhi's attitude towards war.
 10. Analyse the nature and scope of human security.
-

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (राजनीति शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2010

एम.पी.एस.ई.-006 : शांति और द्वंद्व अध्ययन

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

नोट : निम्नलिखित में से कुल पाँच प्रश्न कीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों को चुनें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग - I

1. शांति के पॉलिटिकल इकॉनमी परिप्रेक्ष्य के प्रमुख लक्षणों का परीक्षण कीजिये।
2. सही युद्ध (Just war) के सिद्धांत की व्याख्या कीजिये।
3. युद्ध के कारणों के सिस्टम आधारित विश्लेषण का परीक्षण कीजिये।
4. द्वंद्वों के समाधान के एक अंग के रूप में सुरक्षा परिषद की शक्तियों और कार्यों का वर्णन करें।
5. पर्यवेक्षक समूहों का क्या अर्थ है? ये शांति स्थापना बलों से कैसे भिन्न हैं?

भाग - II

6. भारत और पाकिस्तान के मध्य आरम्भ किये गये विश्वास वृद्धि प्रयासों का मूल्यांकन कीजिये।
 7. द्वंद समाधान के न्याययिक प्रणालियों पर एक निबंध लिखें।
 8. कार्यवाद (functionalism) और नव-कार्यवाद (Neo-functionalism) के मध्य भेदों की चर्चा करें।
 9. युद्ध के प्रति गांधी के दृष्टिकोण का परीक्षण करें।
 10. मानव सुरक्षा की प्रकृति और क्षेत्र-विस्तार (scope) का विश्लेषण करें।
-